

स्वर्ण दिल्ली

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 224 नई दिल्ली
बुधवार, 18 सितंबर 2024, पृष्ठ: 8 मूल्य: 5 रुपये

सिर्फ चार सालों में आतिशी बन गई दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने (आप) दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर दी है। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी अब उनकी जगह लेंगी। वहीं अरविंद केजरीवाल आज उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

केजरीवाल मंगलवार शाम साढ़े 4 बजे दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात कर सकते हैं। केजरीवाल ने 15 सितंबर दिन रविवार को सीएम पद से इस्तीफे का एलान किया था। इससे पहले नए सीएम के नाम को लेकर कयासों का बाजार गर्म था। कहा तो यहां तक जा रहा था कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले AAP किसी अन्य

नाम पर मुहर लगाकर सभी को चौंका सकती है। हालांकि अब इसका फाइनल फैसला हो गया है।

आतिशी दिल्ली की नई और तीसरी महिला सीएम होंगी। इनसे पहले सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित बतौर सीएम कार्यकाल संभाल चुकी हैं। आतिशी के सीएम बनने से पार्टी में उनका कद बढ़ गया है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद पूरे मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकती है। आतिशी अब नई मुखिया हैं। ऐसे में संभव है कि दो नए मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। बता दें राज कुमार आनंद के इस्तीफे के बाद से एक पद खाली चल रहा है।

शास्त्री पार्क में शख्स ने मुस्लिमों के खिलाफ दिया भड़काऊ भाषण

पूर्वी दिल्ली। शास्त्री पार्क के जैन मंदिर में माइक से एक शख्स ने मुस्लिमों के खिलाफ ईद-उल-मिलादुन्नबी नबी के मौके पर भड़काऊ भाषण दिया। इससे स्थानीय लोग भड़क गए। सोमवार रात को काफी संख्या में शास्त्री पार्क थाने का घेराव करके लोगों ने विरोध किया।

पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने अरमान नाम के व्यक्ति की शिकायत पर भड़काऊ भाषण देने की धारा में प्राथमिकी की है। मामले में विकास जैन उर्फ बंटी को गिरफ्तार कर लिया है।

यमुनापार में सोमवार को पैगंबर मुहम्मद साहब के जन्म की याद में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी मनाई गई। शास्त्री पार्क, सीलमपुर, त्रिलोकपुरी, चांद बाग, उस्मानपुर, सीमापुरी, श्रीराम कालोनी, खजूरी खास, गाजीपुर व अन्य इलाकों में जुलूस निकाला गया। जुलूस निकालकर लोगों ने पैगंबर के एकता, प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। हर वर्ष की भांति खुरेजी में मजार वाली मस्जिद से पैगंबर की याद में मोहब्बत, अमन और इंसानियत का पैगाम देने के लिए जुलूस निकाला गया। जुलूस का आयोजन अंजुमन-रजा-ए-मुस्तफा कमेटी की ओर से किया गया था।

Rahul Solanki
9212227666
9818000550



RACHAV

Estate
'N'
Builders



SALE • PURCHASE • RENTING • COLLABORATION

A-27, Mansarovar Garden, Ground Floor,
New Delhi- 110015



हर्षबन्धु भागी

Construction,
Architects, Interior
Designer, Vastu,
Town Planner
Engineers,
Finance Advisor



BANDHU ASSOCIATES

3/82, Ramesh Nagar, New Delhi-110015, Tel. 011-25935400
Mo. 9811127690, 7982961736 E-mail: harshbandhu10@gmail.com

BDS
since 1975

MATTRESS HI MATTRESS

Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic



BDS

Ms. Parvinder Kaur
9560509507

Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015

सम्पादक की कलम से

केजरीवाल के
इस्तीफे का दांव

मुख्यमंत्री केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा ने मीडिया के पार कोई बड़ी हलचल या लहर पैदा नहीं की है। इसे 'राजनीतिक कुर्बानी' भी न माना जाए, क्योंकि केजरीवाल अपने और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रभामंडल को सुरक्षित रखना चाहते हैं। वह अपने 'दिल्ली गढ़' को भी बरकरार रखना चाहते हैं, लिहाजा चुनावों से सिर्फ पांच माह पहले और जेल से बाहर आने के दो दिन बाद ही उन्होंने इस्तीफे का दांव चला है। दरअसल यह २०१३-१४ का भी दौर नहीं है, जब दिल्ली की जनता केजरीवाल को भ्रष्टाचार के खिलाफ, आम आदमी के सरोकारों और ईमानदार, पारदर्शी सुशासन का 'योद्धा' मानती थी। केजरीवाल अन्ना हजारे के आंदोलन से उपजे थे, लिहाजा जब उन्होंने ४९ दिन की सरकार के बाद मुख्यमंत्री पद से पहली बार इस्तीफा दिया था, तब जनता ने चुनाव में 'आप' के पक्ष में प्रचंड और ऐतिहासिक जनदेश दिया था- ७० में से ६७ सीटें। केजरीवाल और 'आप' ने तमाम परंपराओं को ध्वस्त कर दिया था। उसके बाद यमुना नदी में बहुत पानी और मलबा बह चुके हैं। अब १० साल की सत्ता के बाद सरकार-विरोधी लहर का होना स्वाभाविक है। केजरीवाल इस्तीफा दे रहे हैं, सिर्फ दिल्ली का विधानसभा चुनाव जीतने के मद्देनजर। चूंकि मुख्यमंत्री के तौर पर उनके साथ बंधे हैं, क्योंकि सर्वोच्च अदालत ने कड़ी और अव्यावहारिक शर्तें मुख्यमंत्री पर थोप दी हैं, लिहाजा पार्टी में दो शीर्ष बैठकों के बाद तय किया गया कि केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और चुनाव तक 'अंतरिम मुख्यमंत्री' के नेतृत्व में 'आप' सरकार काम करती रहेगी। कैबिनेट की बैठकें हो सकेंगी और जनता को जो कुछ दिया जाना है, वह भी लागू किया जा सकेगा। उसका फायदा चुनाव में मिल सकता है। केजरीवाल ने हुंकार भरी है कि जब तक जनता की अदालत में उन्हें और मनीष सिसोदिया को 'ईमानदारी का प्रमाणपत्र' नहीं मिल जाता, तब तक वे किसी भी संवैधानिक पद पर नहीं बैठेंगे। जनता ही उनकी 'बेगुमाली' तय करेगी। बहरहाल ऐसा कैसे संभव है? उनके खिलाफ अपराधिक मामले अदालत के विचाराधीन हैं। अंतिम अदालती फैसला आने में १०, १५ या २० साल लग सकते हैं, लेकिन अदालत ही उन्हें 'बरी' कर सकती है अथवा सजायापता घोषित कर सकती है। जनता को शराब घोटाले, भ्रष्टाचार या अन्य अपराध के बारे में क्या पता है? और जनता को कौनसे संवैधानिक अधिकार ससिल हैं? केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा को एक सार्वजनिक, भावुक अपील माना जा सकता है। चूंकि अब केजरीवाल ने घर-घर, गली-गली जाकर जनता से मिलने और जनदेश का अनुरोध करने की भी घोषणा की है, लिहाजा आने वाले दिन 'चुनावी हलचल' के हो सकते हैं। तभी स्पष्ट होने लगेगा कि २०२५ के चुनाव में दिल्ली किसे जनदेश देती है? केजरीवाल के खिलाफ जनता का एक वर्ग हो सकता है! केजरीवाल की अनुपस्थिति में जनता के एक तबके ने भीषण गर्मियों में पानी का संकट कैसे झेला, मॉनसून की बरसात में दिल्ली में जलभराव और जलजमाव में करीब ४.५ मीटर हो गई। उनके परिजन केजरीवाल सरकार को माफ कैसे कर सकते हैं! केजरीवाल जेल में थे, तो मंत्रीगण सरकार चलाने के बजाय बयानबाजी और उपराज्यपाल को कोसने में व्यस्त रहते थे।

कुण्डमा शर्मा

एक चुनाव की गुपचुप तैयारी



भारत की सरकार में यदि बहुत कुछ पारदर्शी है तो बहुत कुछ ऐसा भी है जिसे आप गोपनीय कह सकते हैं। सरकार के कामकाज के बारे में केवल चार कानों को ही पता रहता है छठे कान को नहीं। लेकिन आजकल खबरें रिसकर आ रहीं हैं कि सरकार देश में जातीय जनगणना के साथ ही एक राष्ट्र, एक चुनाव के मुद्दे पर भी गोपनीय ढंग से काम कर रही है और किसी माकूल वक्त पर इसकी घोषणा कर सकती है। लेकिन इसके पहले सरकार अपने सभी सहयोगी दलों को भी भरोसे में लेना चाहती है ताकि जातीय जनगणना जैसे विवादास्पद मुद्दे को लेकर अड़चनें पेश न आएँ।

एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार नया नहीं है। बल्कि वर्ष १९८३ में चुनाव आयोग ने पहली बार इसे प्रस्तावित किया था। हालाँकि वर्ष १९६७ तक एक साथ चुनाव भारत में प्रतिमान थे। आपको याद होगा कि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के पहले आम चुनाव वर्ष १९५१-५२ में एक साथ हुए थे। इसके बाद वर्ष १९५७, वर्ष १९६२ और वर्ष १९६७ में हुए तीन आम चुनावों में भी यह प्रथा जारी रही।

लेकिन वर्ष १९६८ और वर्ष १९६९ में कुछ विधान सभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण यह चक्र बाधित हो गया। वर्ष १९७० में लोकसभा को समय से पहले ही भंग कर दिया गया था और वर्ष १९७१ में पुनः नए चुनाव हुए थे। इस प्रकार पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा ने पूरे ५ वर्ष के कार्यकाल पूर्ण किये थे। लोकसभा और विभिन्न राज्य विधानसभाओं दोनों के समय से पहले विघटन और कार्यकाल के विस्तार के परिणामस्वरूप लोकसभा तथा राज्यों की विधानसभाओं के अलग-अलग चुनाव हुए हैं और एक साथ चुनाव का चक्र बाधित हो गया।

भाजपा सरकार इस पुराने मुद्दे को एक बार फिर गर्म कर रही है और इसके पक्ष में उसने तमाम तर्क भी खोज रखे हैं। इस समय देश में प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक चुनाव होता है; दरअसल प्रत्येक राज्य में प्रत्येक वर्ष चुनाव भी होते हैं। भाजपा सरकार में गठित नीति आयोग ने तर्क दिया कि इन चुनावों के चलते विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान होते हैं। बताया जाता है कि

बिहार जैसे बड़े आकार के राज्य के लिये चुनाव से संबंधित सीधे बजट की लागत लगभग ३०० करोड़ रुपए है। हालाँकि प्रत्येक चुनाव के दौरान सरकारी तंत्र चुनाव ड्यूटी और संबंधित कार्यों के कारण अपने नियमित कर्तव्यों से चूक जाता है। चुनावी बजट में चुनाव के दौरान उपयोग किये जाने वाले इन लाखों मानव-घंटे की लागत की गणना नहीं की जाती है। एक तर्क ये भी है कि चुनावों कि दौरान लागू की जाने वाली आदर्श आचार संहिता सरकार कि कामकाज को भी प्रभावित करती है, क्योंकि चुनावों की घोषणा के बाद न तो किसी नई महत्वपूर्ण नीति की घोषणा की जा सकती है और न ही क्रियान्वयन। सुरक्षा बलों को तैनात करने तथा बार-बार उनके परिवहन पर भी भारी और दृश्यमान लागत आती है। संवेदनशील क्षेत्रों से इन बलों को हटाने और देश भर में जगह-बार-बार तैनाती के कारण होने वाली थकान तथा बीमारियों के संदर्भ में राष्ट्र द्वारा एक बड़ी अदृश्य लागत का भुगतान किया जाता है।

भाजपा को पता है कि एक देश, एक चुनाव को लागू करना आसान नहीं है लेकिन पार्टी और सरकार इस विषय को लेकर दूसरे ज्वलंत मुद्दों को पीछे ले जाना चाहती है। आमतौर पर सभी दल इस मुद्दे पर एक राय नहीं होते। अनेक दलों का मानना है कि एक साथ चुनावों को लागू करना लगभग असंभव है क्योंकि इसके लिये मौजूदा विधानसभाओं के कार्यकाल में मनमाने ढंग से कटौती करनी पड़ेगी या उनकी चुनाव तिथियों को देश के बाकी भागों हेतु नियत तारीख के अनुरूप लाने के लिये उनके कार्यकाल में वृद्धि करनी पड़ेगी। कुछ दल मानते हैं कि ऐसा कदम लोकतंत्र और संघवाद को कमजोर करेगा।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के आलोचकों का कहना है कि एक साथ चुनाव कराने के लिये मजबूर करना लोकतंत्र के विरुद्ध है क्योंकि चुनावों के कृत्रिम चक्र को थोपने की कोशिश करना और मतदाताओं की पसंद को सीमित करना उचित नहीं है। ऐसा माना जाता है कि एक साथ चुनाव से क्षेत्रीय दलों को नुकसान पहुँचेगा क्योंकि एक साथ होने वाले चुनावों में मतदाताओं द्वारा मुख्य

रूप से एक ही तरफ वोट देने की संभावना अधिक होती है जिससे केंद्र में प्रमुख पार्टी को लाभ होता है। प्रत्येक ५ वर्ष में एक से अधिक बार मतदाताओं के समक्ष आने से राजनेताओं की जवाबदेहिता बढ़ती है।

भाजपा सरकार के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू करना उतना आसान नहीं होगा जितना की पूर्व में जम्मू-कश्मीर से संविधान का अनुच्छेद ३७० हटाना आसान बन गया था। अब संसद में भाजपा की ताकत २०१४ और २०१९ के मुकाबले २०२४ में बहुत कम है और इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि जेडीयू और टीडीपी जैसे दल इस मुद्दे पर आसानी से मान जायेंगे। एक साथ चुनाव की अवधारणा को लागू करने के लिये संविधान और अन्य कानूनों में संशोधन की आवश्यकता होगी। लेकिन यह बहुत आसान काम नहीं है।

एक बात और ये भी है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव इस बात की कोई गारंटी नहीं देते की देश में फिर मध्यावधि चुनाव नहीं होंगे। इस समय जिस तरह की गठबंधन सरकारें बनाई जा रहीं हैं उनमें किसी भी सरकार के पूरे पांच साल चलने की कोई गारंटी नहीं है। कभी भी कोई भी राजनीतिक दल अपने विरोधी दल की सरकार को अपदस्थ करने के लिए ऑपरेशन लोटस या दलबदल का सहारा ले सकता है। संविधान में किसी भी सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने का विकल्प है सो अलग।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के सन्दर्भ में विधि आयोग का सुझाव भी काबिले गौर है, जिसके अनुसार अगले आम चुनाव से निकटता के आधार पर राज्यों को वर्गीकृत किया चाहिये और अगले लोकसभा चुनाव के साथ राज्य विधानसभा चुनाव का एक दौर तथा शेष राज्यों के लिये दूसरा दौर ३० महीने बाद होना चाहिये। लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं देता है कि इन सबके बावजूद भी मध्यावधि चुनाव की आवश्यकता नहीं होगी। बहरहाल जो भी है सके बारे में हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद ही कोई बात आगे बढ़ेगी। अभी तो ये मुद्दा एक सुरे से ज्यादा कुछ नहीं है।

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehendi
- Cosmetics

Invitin.g Shopperr's

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES

Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm

Food Without Onion & Garlics On Every Navratra

Note:
Please allow extra time for delivery on Saturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delivery charged rs. 30. - within 1km

Home Delivery
8700965740,
9871558873,
9212598873

Spl. In Outdoor Catering

P S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363

Prince Realtech & Developers

SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL

**B-121AC, Mansarovar Garden,
New Delhi-110015**

We Positive Care

We Positive Care

Chitragnpt Foundation

**C186 A , 4th floor hari nagar
clock tower, Pincode 110064**

Punnub Biryani

M:- 093134 07108
punnubiriyani.com

Free Home Delivery

011-25119013,
41447298,
25446671

**(Jhatka
Used
Here)**

Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108

DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School,
Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे श्री गणेशाय: नमः

**श्री राधिका
ज्योतिष
शोध संस्थान**

ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब,
पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान

शादी या सन्तान नहीं होना, नौकरी नहीं लगना, व्यापार नहीं चलना
शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना

आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष,
ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी
दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।

सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।

Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrologer & Healer!

Thirak Fitness Classes

Be Healthy
Learn YOGA

WEDDING
CHOREOGRAPHY
&
EVENT MANAGEMENT
WORKSHOP

Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178

- Yoga with Zumba
- Exercise
- Dumble Exercise
- Stepper Exercise
- Abs Workout
- Meditation
- Pranayam

फीजियोथेरेपी सेन्टर

आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल
डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।

समय: प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक एवं
सायं 5 बजे से 7 बजे तक

रविवार अवकाश

कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

नए सीएम के एलान के बाद स्वाति मालीवाल का हमला; आतंकी अफजल गुरु से जोड़ा नाम

नई दिल्ली। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी मालेना के नाम पर मुहर लगने के बाद विरोधियों के निशाने पर आ गई हैं। बीजेपी के तमाम दिग्गज नेताओं के साथ ही राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने हमला किया है।

स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली के लिए आज बहुत दुखद दिन है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री एक ऐसी महिला को बनाया जा रहा है जिनके परिवार ने आतंकवादी अफजल गुरु को फांसी से बचाने की लंबी लड़ाई लड़ी।

उनके मातापिता ने आतंकी अफजल गुरु को बचाने के लिए माननीय राष्ट्रपति को दया याचिकाएँ लिखीं। उनके हिसाब से अफजल गुरु निर्दोष था और उसको राजनीतिक साजिश के तहत फँसाया गया था। वैसे तो आतिशी मालेना सिर्फ 'Dummy CM' है, फिर भी ये मुद्दा देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। भगवान दिल्ली की रक्षा करें!

दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के सीएम बनने पर मनीष सिसोदिया पर करारा निशाना साधा है। सचदेवा ने कहा कि पहले सिसोदिया ने



विभाग दिलाए अब आतिशी को CM बनाया। मनीष सिसोदिया के दबाव में

केजरीवाल को Atishi को CM बनाना पड़ा।



दिल्ली को नया कप्तान मिल गया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीएम

का चेहरा बदलने से कुछ नहीं होगा। भाग्य नहीं बदलने वाला।

Karan Oberoi
Mob.: 9899940139

Deals in
Wall Tiles,
Floor Tiles
Imported Tiles
Slates Tiles
Kota Stone
Cement Concrete Tiles
& Marble etc.

C-33, Sharda Puri, New Delhi - 110015

नीट अभ्यर्थियों को टगने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। शीर्ष मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने के बहाने नीट अभ्यर्थियों से करोड़ों रुपये ठगने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि गिरोह ने अब तक करीब एक दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों से ठगी की है। आरोपित कम रैंक प्राप्त करने वाले और प्रवेश परीक्षा में असफल अभ्यर्थियों को निशाना बनाते थे। वे उन्हें 30-40 लाख रुपये की मांग कर शीर्ष रैंक वाले सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने का वादा करते थे।

नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश महेला के मुताबिक, 21 वर्षीय एक उम्मीदवार की शिकायत मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई। अभ्यर्थी ने फर्जी एमबीबीएस प्रवेश रैकेट के बारे में छह सितंबर को पुलिस थाना कनॉट प्लेस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि 27 अगस्त को एक महिला ने उससे संपर्क किया, जिसने



उसे सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने के एवज में 35 लाख रुपये की मांग की थी।

इसके बाद महिला ने अभ्यर्थी को 35 वर्षीय कुमार गौरव से मिलवाया, जिसने खुद को सन शाइन एशिया नामक कंसल्टेंसी फर्म का एजेंट बताया। गौरव ने बाद में कनॉट प्लेस में एक काफी शॉप में उससे मुलाकात की और उसे महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (महाराष्ट्र), बीआरडी मेडिकल कॉलेज, सरकारी मेडिकल कॉलेज (उत्तर प्रदेश), मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज और दरभंगा मेडिकल कॉलेज (बिहार) सहित पांच

सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सूची दी।

पीडित शिकायतकर्ता ने गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज चुना और गौरव ने उसे एडवांस के तौर पर 7.5 लाख रुपये देने को कहा। गौरव ने दावा किया कि उसका नाम तीसरे राउंड की सूची या मोप-अप राउंड में आएगा। इस बीच अभ्यर्थी संदेह हुआ और उसने इन एजेंटों के साथ अपनी बातचीत रिकार्ड करना शुरू किया और पुलिस को मामले की जानकारी दी।

एसएचओ संजीव कुमार और एसीपी अनिल समोता की अगुआई में एक टीम बनाई। 10 सितंबर को शिकायतकर्ता ने आरोपित गौरव को फोन किया और उसे काफी हाउस में मिलने के लिए बुलाया। जिसके बाद पुलिस की टीम ने गौरव को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 14 क्रेडिट/डेबिट कार्ड, दो आधार कार्ड, तीन मोबाइल फोन, एक वोटर कार्ड और एक पासपोर्ट बरामद किया। आरोपित से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजीकृत)
श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर (गीता भवन)
कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015

रिश्ते-नाते विभाग
प्रति दिन
सुबह 10 बजे से सायं 7 बजे तक

फोन: 011-25107229, 8810401428
निवेदक: मनोहर लाल कुमार, अविनाश साहनी

Ritu Bharara
Makeovers
Make-Up & Hair Institute

Ritu Bharara
ritu.bharara@gmail.com
9717124550

Makeup Artist
Trained In USA

f RituBhararamakeovers
ritu.bharara

J-31/A, Metro Pillar No. 362, Ramesh Nagar, New Delhi-15
WZ-6, Sharda Puri, Ramesh Nagar, New Delhi-110015

Payal Boutique
Specialist in:
Designer Ladis
Suit, Blouse,
Anarkali, Gown &
All Alteration etc.

J-79 Bander Wali Khui,
Near Gaushala, Ramesh
Nagar, New Delhi-110015

8448150153

आप अब सिसोदिया के कंट्रोल में, उनके कहने पर ही आतिशी: वीरेंद्र सचदेवा



नई दिल्ली। आतिशी को दिल्ली का नया सीएम बनाए जाने को लेकर भाजपा के दिल्ली अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक बड़ा दावा किया है।

वीरेंद्र सचदेवा का दावा है कि आम आदमी पार्टी अब मनीष सिसोदिया के कंट्रोल में है और उन्हीं के कहने पर आतिशी को Delhi New CM बनाया गया है। वीरेंद्र सचदेवा ने तमाम दावे किए हैं। उनका कहना है कि मनीष सिसोदिया के दबाव में केजरीवाल को Atishi को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा है।

सचदेवा ने आगे कहा कि सिसोदिया पहले आतिशी को अधिक से अधिक विभाग दिलाए, अब CM बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी अब सिसोदिया के कंट्रोल में लगती है। वीरेंद्र सचदेवा ने आगे कहा, 'अरविंद केजरीवाल ने मजबूरी में आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया है

क्योंकि वे चाह कर भी अपनी मन मर्जी का मुख्यमंत्री नहीं बनवा सके। मैं कह रहा हूँ कि चेहरा बदल गया है लेकिन AAP का भ्रष्टाचारी चरित्र वही है।'

आप के विधायक रह चुके और अब भाजपा के सदस्य कपिल मिश्रा ने ट्वीट कर आतिशी को दिल्ली के लिए खतरनाक बताया है। कपिल ने ट्वीट किया है, 'आतिशी के परिवार ने आतंकवादी अफ़ज़ल गुरु की फांसी रुकवाने का प्रयास किया था। नक्सली मानसिकता को बैंकडोर से दिल्ली पर थोपने का पाप केजरीवाल कर रहे हैं।'

कपिल ने आगे लिखा, 'आज आम आदमी पार्टी एक ऐसा CM चुन रही हैं जिसका अन्ना आंदोलन और इंडिया अगेंस्ट करप्शन से कोई नाता कभी नहीं रहा। दिल्ली की जनता एक नक्सली कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री को कभी स्वीकार नहीं करेगी।'

ANCHAL PLAYWOOD EMPORIUM

DEALS IN:

COMMERCIAL
PLAYWOOD, WATER
PROOF PLAYWOOD, TEEK
PLAYWOOD, PARTICLE
BOOD. M.D.F SUNMICA



SATISH BANSAL
9899786284
989176284



A-205, WHS TIMBER MARKET KIRTI NAGAR, NEW DELHI-15



AAPKE SWAAD AUR SEHAT
KA RAKHE POORA DHYAAN... !!

Bhagwan Dass & Co

GSTIN: 07AFA8352E1Z1

Deals in all kinds of Pressure Cookers, Thermowares, SS Casseroles,
Electrical Appliances, LPG Stoves, Non-Stick & Hard Anodized Cookwares

Address : 4759 Deputy Gunj, Sadar Bazar, Delhi - 110006

Mb : 93108-44445, 7-99999-666-2, 93122-44445, 0112-363-2899

Website : kunal9agg.wixsite.com/metrocookers

Bank Details:

Kotak Mahindra Bank: 0711364149 / IFSC Code: KKBK0000207

AU Small Finan Bank: 1921210323810933 / IFSC Code: AUBL0002103



Unwanted Hair Gone Forever
with the world's leading
Laser Technology



Hair-Loss
Painless Process



Breast Augmentation
Non-Surgical



Aishanya Aesthetic Centre

Skin/Cosmetic/Hair/Laser Treatment



Acne/Scars/Pigmentation Removal

With World Best Derma Technology

Rhinoplasty & Fillers Expert

Dr. Saloni Sinha

M.B.B.S, M.S.(ENT), F.A.M.

Rhinoplasty Expert

DMC No. 57646



Rhinoplasty Surgery



Face Fillers



Fat Reduction
Surgical
Non-surgical

For Book Appoinment Call : 7836863883

A2/108, Prabhu Specialist Clinic, Room No.1, Major Deepak Tyagi Marg, Janakpuri Delhi-58

डिलीवरी के बाद 40 दिन तक लेनी चाहिए ऐसी डाइट, वरना हो जाएगी मुसीबत

मां बनना दुनिया में सबसे बड़ी ब्लेसिंग है। क्योंकि नन्हें कदमों के घर में आते ही घर की रौनक बढ़ जाती है। मां के साथ साथ घर के सभी सदस्यों का ध्यान बच्चे की ओर चला जाता है। लेकिन ये भी सच है कि न्यू माँ को प्रेग्नेंसी के टाइम में जितनी केयर की जरूरत थी, उतनी ही डिलीवरी के बाद भी। क्योंकि डिलीवरी के बाद महिला के शरीर में कई शारीरिक व भावनात्मक बदलाव होते हैं। ऐसे में सबके बच्चे की केयर में लगे रहने के कारण मां खुद को काफी अकेला फील करने लगती है, जो तनाव का कारण बनता है। ऐसे में खुद को हेल्दी रखने व पोस्टपार्टम डिप्रेशन से दूर रखने के लिए नीचे बताए कुछ टिप्स को फॉलो करना न भूलें।

डिलीवरी के बाद के 40 डेज अहम

आपको अपनी डिलीवरी के बाद भी अपनी डाइट का वैसे ही ध्यान रखने की जरूरत है, जैसे आप प्रेग्नेंसी के दौरान खुद का ध्यान रखती थीं। इसके लिए आपको पौष्टिक डाइट लेने की जरूरत है, जिससे शरीर को ताकत मिले। आप अपनी डाइट में दूध, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियां, दलिया, मखाने, फ्रूट्स, पनीर शामिल करके फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम व आयरन की भरपूर मात्रा लें। छोटी-छोटी मील दिन में कई बार लें।

बॉडी को हाइड्रेट रखें

खुद को एक्टिव रखने व डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए खूब पानी पिएं। क्योंकि ब्रेस्टफीडिंग के दौरान हर रोज आपके शरीर से 2.2 लीटर के करीब पानी चला जाता है। ऐसे में



आपको रोजाना 4 लीटर के करीब पानी पीने की जरूरत है। कोशिश करें कि आप जब भी बच्चे को फीड करवाएं, उसके बाद थोड़ा पानी जरूर पिएं।

हैप्पी रहें

आपकी हेल्थ को ठीक रखने में आपके मूड का हैप्पी होना बहुत जरूरी है। तभी आप खुद के साथ साथ अपने बेबी का भी ख्याल रख पाएंगी। डिलीवरी के बाद माँ का मूड स्विंग होना आम है। इसकी वजह है एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टोन हॉर्मोन में गिरावट आना। लेकिन आप हर चीज को पॉजिटिव वे में सोचकर खुद को खुश रख सकती हैं।

अगर आपका मिल्क बच्चे के लिए पर्याप्त नहीं है, तो आप ये सोचकर खुद को परेशान न करें, बल्कि डॉक्टर की सलाह लेकर अपने मिल्क के साथ अपने बेबी को फार्मूला मिल्क भी दें। बच्चे को अपने से चिपकाकर रखें, इससे भी आपको काफी खुशी मिलेगी।

अपनों से शेयर करें बातें

न्यू माँ बनने पर आपको शुरुआत में थोड़ी मुश्किल जरूर आएगी। लेकिन आप इन प्रॉब्लम्स से अकेले ही नहीं लड़ें। आपको अपनी दिक्कतों को अपनों से शेयर करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। घर में अगर बड़े हैं

तो उनसे शेयर करें, वरना जिनसे आप अपने मन की बात खुलकर कर सकते हैं, उन्हें अपनी परेशानियों से रूबरू करवाएं। निश्चित ही आपको अपनी समस्या का समाधान मिल जाएगा।

अकेले बच्चे की जिम्मेदारी न लें

मां बनने का मतलब ये नहीं है कि आप ही बच्चे की सारी जिम्मेदारी लें। उसे सुलाने से लेकर, उसे नहलाने, उसका डायपर चेंज करने या फिर रात भर आप ही जागें। बल्कि थोड़ी जिम्मेदारी अपने पार्टनर को भी दें, जिससे काम बंटेगा और आप भी थोड़ा रिलेक्स फील कर पाएंगी।

पूरी नींद लें

नींद पूरी नहीं होना भी स्ट्रेस का एक बड़ा कारण बनता है। ऐसे में भले ही आप पहले की तरह नहीं सो पा रही हैं, लेकिन अपनी नींद को कम्प्लीट कर सकती हैं। जब भी आपका बच्चा सोए तो आप भी उसके साथ सो जाएं। इससे मन शांत होने के साथ आप खुद को एनर्जेटिक फील कर पाएंगी।

एक्टिव रहें

आपका खुद को एक्टिव रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए खुली हवा में वॉक करें, योगा करें। जिससे आपकी बॉडी फिट रहने के साथ आपका स्ट्रेस कम होता है। असल में एक्सरसाइज करने से मस्तिष्क के फील गुड न्यूरोट्रांसमीटर के उत्पादन में वृद्धि होती है, जिन्हें एंडोर्फिन कहा जाता है।

मालिश बहुत जरूरी

जिस तरह से न्यू बॉर्न को रोजाना मालिश की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह आपको भी इसकी आवश्यकता है। क्योंकि इससे हॉर्मोन्स रेगुलेट होने के साथ शरीर की सूजन कम होती है। मिल्क प्रोडक्शन को बढ़ाने में भी मदद मिलती है।

दवाओं का खास ख्याल

दवाओं को समय पर लेना जितना प्रेग्नेंसी के वक्त जरूरी था, उतना ही प्रेग्नेंसी के बाद भी महत्वपूर्ण है। इसलिए इस समय डॉक्टर द्वारा प्रीस्क्राइब्ड दवाओं को टाइमली लें। क्योंकि डिलीवरी के बाद शरीर में विटामिन्स, आयरन व कैल्शियम की कमी को खाने पीने के साथ दवाओं से ही पूरा किया जाता है।

थायराइड को जड़ से करना है खत्म तो रोजाना करें ये 5 योगासन

थायराइड एक हार्मोनल डिसऑर्डर है इस हार्मोन के घटने और बढ़ने से शरीर में कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। थायराइड हार्मोन के असंतुलित होने पर शरीर के कई हिस्सों में दर्द होने लगता है। यदि सही समय पर इसका इलाज ना किया जाए तो यह परेशानी काफी बढ़ सकती है।

इसके अलावा इसका असर स्किन और बालों पर भी पड़ता है। यहां तक कि महिलाओं के पीरियड्स साइकिल को भी यह प्रभावित करता है। दरअसल थायराइड हमारे गले के सामने एक छोटे आकार की ग्रंथि होती है जो हार्मोन बनाने का काम करती है।

थायराइड मुख्य रूप से दो तरह के होते हैं हाइपोथायराइड और हाइपरथायराइड। यदि आपके शरीर में भी इसका थायराइड का स्तर बढ़ा हुआ है तो आप कुछ ऐसे योगासन कर सकते हैं जिनकी मदद से आपका थायराइड लेवल नॉर्मल हो सकता है।

सर्वांगसन

एनसीबीआई के अनुसार योग के कई फायदे होते हैं। सर्वांगसन करने से थायराइड ग्रंथि एक्टिव होती है और इसमें ठीक तरह से ब्लड फ्लो होता है। सर्वांगसन के और भी कई फायदे होते हैं। इससे चिंता और अवसाद कम होता है साथ ही अच्छी नींद भी आती है। इससे हृदय से जुड़ी बीमारियों का भी रिस्क कम होता है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है। सर्वांगसन से स्किन हेल्थ भी अच्छी रहती है। इससे त्वचा में निखार आता है और झुर्रियों की समस्या कम होती है।

विपरीत करनी आसन

विपरीत करनी आसन थायराइड ग्रंथियों को एक्टिव करता है और उनकी एक्टिविटी को कंट्रोल करने में मदद करता है। इससे गर्दन और मस्तिष्क में ब्लड फ्लो बेहतर होता है। विपरीत करनी आसन से अनिद्रा की समस्या भी दूर होती है। कमर दर्द और घुटनों के दर्द से भी राहत पाने के लिए यह योगासन किया जा सकता है।

सेतुबंधासन

इस योगासन से थायराइड के लक्षण कम होते हैं और यह रक्त संचार को भी बेहतर बनाता है। इससे मस्तिष्क शांत रहता है और नींद से जुड़ी समस्याएं भी दूर होती हैं।



अगर आप अपना वेट लॉस कर रहे हैं तो यह योगासन आपके लिए बहुत ही फायदेमंद रहेगा। इससे बैली फैट कम करने में मदद मिल सकती है। इस योगासन से पाचन में भी सुधार आता है। पीठ और रीढ़ की हड्डी को भी मजबूत बनाने के लिए यह योगासन किया जा सकता है। हालांकि लेट प्रेग्नेंसी में इस योगासन को करने से बचना चाहिए।

हलासन

हलासन थाइरॉइड फंक्शन को उत्तेजित करता है और पीठ को मजबूत बनाता है। हाइपरथायरायडिज्म में यह योगासन करना बहुत ही लाभदायक रहता है, लेकिन हाइपोथायराइड में इसे करने से बचना चाहिए क्योंकि यह हार्मोन के स्त्राव को बढ़ा देता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए भी यह योगासन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

शवासन

यह योगासन हाइपोथायरायडिज्म के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। यह थायराइड के लक्षणों को कम करता है। इसके अलावा इससे ब्लड प्रेशर लेवल को भी कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। इस योगासन से एकाग्रता और याददाश्त बढ़ती है। इस योगासन को करने से शरीर रिलैक्स रहता है और एनर्जी लेवल में भी इजाफा होता है।

रिश्ते के जुड़ाव को कमजोर कर देती हैं ये प्रतिक्रियाएं, कैसे?

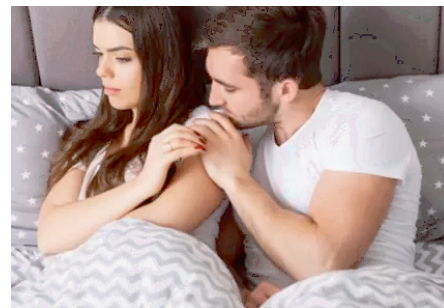
दूसरों के साथ हमारे व्यवहार में हमारी प्रतिक्रियाएं बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। कभी-कभी, गुस्से, हताशा या बिना सोचे-समझे हम बहुत जल्दी प्रतिक्रिया दे देते हैं। इस दौरान हम ऐसी बातें कह सकते हैं या कर सकते हैं, जो दूसरों को चोट पहुंचाती हैं या उन लोगों के साथ हमारे रिश्ते को खराब कर देती हैं, जिनकी हम परवाह करते हैं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं गलतफहमियां भी पैदा कर सकती हैं, जो हमसे जुड़े लोगों को परेशान कर सकती हैं और यहां तक कि उनका भरोसा भी तोड़ सकती हैं। बार-बार इन प्रतिक्रियाओं को दोहराने से समय के साथ हमारा पार्टनर, दोस्त या परिवार वाले हमसे दूर जा सकते हैं। इसलिए लोगों के लिए ये जरूरी है कि वह अपनी इन गलत प्रतिक्रियाओं के प्रति सचेत रहें और इनको नियंत्रित करना सीखें, ताकि महत्वपूर्ण रिश्ते बर्बाद होने से बच जाएं।

गलत प्रतिक्रियाएं, जो अक्सर लोग गुस्से और हताशा में देते हैं

बहस के दौरान चिल्लाना: जब हम चिल्लाते हैं, तो इससे दूसरे व्यक्ति के दिल में डर बैठ सकता है या उन्हें ठेस पहुंच सकती है। पार्टनर पर चिल्लाने से समस्या को हल नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, यह बहस को और भी बदतर बना देता है, इतना बदतर कि रिश्ते को ठीक करना मुश्किल हो सकता है।

चुप रहकर साइलेंट ट्रीटमेंट देना: परेशान होने पर हमारा किसी से बात करने का मन नहीं करता, जो मानव स्वभाव है। लेकिन ऐसे समय में पार्टनर से बात न कर के उन्हें अनदेखा करने से उन्हें अकेला महसूस होगा, जिससे वह भ्रमित महसूस कर सकते हैं। इससे आपकी समस्या तो हल नहीं होगी, लेकिन आपका पार्टनर आपसे जरूर दूर चला जाएगा। बेहतर रहेगा परेशान होने पर अपने पार्टनर से स्पेस की मांग करें।

फीडबैक मिलने पर रक्षात्मक प्रतिक्रिया करना: समस्याओं को हल करने के लिए सुनना और समझना पड़ता है। जब आपका पार्टनर आपको किसी बात पर फीडबैक दे रहा है तो रक्षात्मक बनने की बजाय उन्हें सुनने की कोशिश करें। फीडबैक मिलने पर रक्षात्मक प्रतिक्रिया जैसे परेशान होना या गुस्सा हो जाने से समस्याओं को सुधारना या ठीक



करना मुश्किल हो जाता है। इससे दूसरे व्यक्ति को ऐसा महसूस हो सकता है कि आप उनके विचारों की परवाह नहीं करते हैं।

बहस में पिछली गलतियों को सामने लाना: किसी नई बहस के दौरान पिछली गलतियों का जिक्र करना कुछ ऐसा है, जो पार्टनर को बुरा और फंसा हुआ महसूस करा सकता है। यह वर्तमान के मुद्दे और ज्यादा बड़ा बना सकता है, जिसे सुझाना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा इससे आपके पार्टनर के विश्वास को ठेस पहुंचा सकती है।

अपनी भावनाओं के लिए अपने पार्टनर को दोषी ठहराना: दूसरों पर गलतियां मढ़ना आसान है और गुस्से में आमतौर पर लोग यहीं करते हैं। अपने दुख और गुस्से के लिए अपने पार्टनर को जिम्मेदार ठहराना, उन्हें दोषी महसूस करा सकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि हम अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हैं।

छोटी-छोटी समस्याओं पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया करना: छोटी-छोटी समस्याओं पर किसी को भी गुस्सा आ सकता है, लेकिन इनपर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से रिश्ते को तनावपूर्ण बना सकता है। इससे पार्टनर को ऐसा लग सकता है कि वे कुछ भी सही नहीं कर सकते।

बड़ी हरकतों के बाद माफी मांगने से इनकार करना: जब लोग कुछ गलत करने के बाद माफी नहीं मांगते हैं, तो इससे उनके पार्टनर की भावनाओं को ठेस पहुंच सकती है और उनका भरोसा टूट सकता है। माफी मांगने से रिश्ते को सुधारने में मदद मिलती है क्योंकि यह दिखाता है कि हम अपने पार्टनर की परवाह करते हैं।

चैंपियन टीम पर बरसेगा छप्पर फाड़ पैसा, पिछले वर्ल्ड कप की तुलना में दोगुनी है प्राइज मनी

नई दिल्ली। आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2024 की प्राइजी मनी का एलान कर दिया है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 का आगाज 3 अक्टूबर से यूएई में होना है।

पहले ये अहम टूर्नामेंट बांग्लादेश की मेजबानी में आयोजित होने वाला था, लेकिन वहां पर राजनीतिक अस्थिरता आने के बाद से हुए विरोध प्रदर्शन के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस टूर्नामेंट को यूएई में कराने का फैसला लिया है। आईसीसी के मुकाबले अब शांराह और दुबई के मैदान पर खेले जाएंगे। ICC ने 2024 T20 World Cup संस्करण के लिए प्राइज मनी को पिछले विश्व कप की तुलना में बढ़ा दिया है। आईसीसी ने 2024 महिला टी20 विश्व कप के लिए प्राइजी मनी \$7,958,080 कर दी है, जो 2023 संस्करण की तुलना में दोगुना से भी ज्यादा है। इस अहम वृद्धि से यह सुनिश्चित हो गया है कि महिला टी-20 विश्व कप



2024 के विजेता को 2.34 मिलियन डॉलर की भारी राशि मिलेगी, जो कि 2023 में चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को दी जाने वाली 1 मिलियन डॉलर की राशि से 134% ज्यादा है। यह महत्वपूर्ण वृद्धि सुनिश्चित करती है

कि महिला T20 विश्व कप 2024 के विजेता \$2.34 मिलियन की चौका देने वाली राशि प्राप्त करेंगे, जो 2023 में चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को दिए जाने वाले \$1 मिलियन से 134% अधिक है।

महिला टी20 विश्व कप 2024 की उपविजेता टीम पर भी जमकर पैसों की बरसात होगी। पिछले विश्व कप की तुलना में उपविजेता टीम की प्राइजी मनी में भी 134% की बढ़ोतरी हुई है, जिससे उन्हें आगामी

संस्करण में \$1.17 मिलियन की राशि मिलेगी। हर सेमीफाइनलिस्ट को \$675,000 मिलेंगे, जो उनके 2023 के भुगतान से तीन गुना अधिक है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में इस बार 10 टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिनको 5-5 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। इसमें ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की महिला टीमों हैं। वहीं ग्रुप-बी में बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेस्टइंडीज की महिला टीम शामिल है।

15 अक्टूबर को ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा, वहीं दोनों ग्रुपों से टॉप-2 पर रहने वाली टीमों सीधे सेमीफाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का करेंगी। शांराह के मैदान पर 17 और 18 अक्टूबर को सेमीफाइनल मुकाबले होंगे तो वहीं 20 अक्टूबर को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा।

634 दिनों में कितनी बदली भारतीय टीम?

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से हो रहा है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई के मैदान में खेला जाएगा। काफी लंबे समय के बाद भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट के लिए मैदान में उतरेगी। वहीं, बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान को लगातार दो मैच में मात देकर भारत से जंग लड़ेगी।

बता दें कि दोनों टीमों के बीच अब तक कुल मिलाकर 13 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें से 11 टेस्ट भारत ने जीते, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। भारत-बांग्लादेश के बीच आखिरी टेस्ट मैच 2022 में खेला गया था, जिसमें भारत की प्लेइंग-11 क्या थी?

दरअसल, भारत बनाम बांग्लादेश के बीच साल 2022 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी, जिसमें भारतीय टीम ने 2-0 से जीत हासिल की थी। उस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग-11 में चेतेश्वर पुजारा, जयदेव उनादकट, उमेश यादव जैसे खिलाड़ी थे, जो अब बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2024 के लिए टीम इंडिया की स्क्वाड में तक शामिल नहीं हैं।

2022 में टीम इंडिया की कप्तानी केएल राहुल के पास थी। चेतेश्वर पुजारा ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 90 रन की पारी खेली



थी। उनके अलावा श्रेयस अय्यर ने 86 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने पहली पारी में 404 रन का स्कोर खड़ा किया था।

इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 150 रन पर ऑलआउट हो गई थी। भारत ने बांग्लादेश पर पहली पारी में 255 रन की बढ़त बना ली थी। दूसरी पारी में भारत ने 258 रन पर ही पारी घोषित कर दी थी। इस तरह 513 रन का पीछा करने में बांग्लादेश टीम फेल रही। हालांकि दूसरी पारी में जाकिर हसन ने शतक जड़कर टीम को 324 रन तक पहुंचा दिया था।

2022 टेस्ट सीरीज वाली भारत की प्लेइंग-11

पहले टेस्ट के लिए- केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, आर अश्विन, कुलदीप यादव, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज

दूसरे टेस्ट के लिए- केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, आर अश्विन, जयदेव उनादकट, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज

चेन्नई में लाल मिट्टी से बनी पिच पर चेन्नई में लाल मिट्टी से बनी पिच पर खेला जाएगा टेस्ट

नई दिल्ली। तीन फास्ट बॉलर या तीन स्पिनर? रोहित शर्मा और गौतम गंभीर जब बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग-11 चुन रहे होंगे तो यह उनके लिए ये फैसला लेना काफी मुश्किल होगा।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच का आगाज 19 सितंबर से होना है। चेपॉक की पिच लाल मिट्टी से बनी है और यहां पर बाउंस अच्छा होता है। इस पिच पर तेज गेंदबाजों को अच्छा उछाल मिलने की संभावना है।

रिवर्स स्विंग भी देखने को मिल सकती है। यह भी तय है कि पिच जल्दी टूटेगी और स्पिनर्स को इससे खास मदद मिलेगी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम 5 बॉलर्स के साथ मैदान पर उतर सकती है।

दरअसल, भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट खेला जाएगा। भारत ने इस मैच के लिए पहले ही टीम का एलान कर दिया है। टीम में 4 स्पिनर और 3 तेज गेंदबाज हैं। चार स्पिनरों में 3 ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल शामिल हैं। वहीं, तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह,

मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और यश दयाल हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत 5 गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतर सकती है। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा का खेलना तय माना जा रहा है, लेकिन पांचवें गेंदबाज के लिए कौन होगा, इसको लेकर अभी चर्चा जारी है। पांचवें गेंदबाज के लिए अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, आकाश दीप और यश दयाल में से किसी एक को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है।

भारत ने आखिरी बार खेले गए घरेलू टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ ही तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा था। कोलकाता में खेले गए इस मैच में भारत ने पारी और 46 रन से जीत दर्ज की थी।

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम पर भी चर्चा हुई। शमी अपनी फिटनेस की वजह से टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं, लेकिन बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मोहम्मद शमी के बुमराह और सिराज के साथ जुड़ने की उम्मीद है।

जायसवाल करेंगे वो कमाल जो आज तक नहीं कर सके कोहली

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के पास बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में इतिहास रचने का मौका है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 19 सितंबर से खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया की कप्तानी रोहित शर्मा के पास है।

इस सीरीज में कई नए और बड़े कीर्तिमान बनते हुए नजर आएंगे, जिसमें टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल से भी ऐसे खास मुकाम की उम्मीद है।

यशस्वी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 में अब तक 1028 रन बना लिए हैं और उनकी नजर WTC के एक ही चक्र में सबसे ज्यादा रन बनाने पर है।

दरअसल, 22 साल के यशस्वी जायसवाल भारत-बांग्लादेश के बीच खेले जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 132 रन बनाते ही इतिहास रच देंगे। यशस्वी 132



रन बना लेते हैं तो वह WTC के एक सिंगल एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले

भारतीय बैटर बन जाएंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी का ये तीसरा

चक्र चल रहा है, जिसमें यशस्वी के पास कई रिकॉर्ड को ध्वस्त करने का मौका है। उनके

पास बेन स्टोक्स को पछाड़ने का मौका है। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने साल 2019 से 23 तक खेले गए डब्ल्यूटीसी चक्र में 31 सिकस लगाए थे। अब यशस्वी जायसवाल उनका येरिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

दरअसल, यशस्वी जायसवाल के पास भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे से आगे निकलने का मौका है। रहाणे ने WTC 2019-21 चक्र में 1159 रन बनाए थे। बता दें कि जायसवाल, रहाणे और रोहित के साथ एक ही WTC चक्र में 1000 रन बनाने वाले तीन भारतीय बल्लेबाजों में से एक हैं।

वहीं, WTC 2023-25 स्कोरिंग चार्ट में जायसवाल संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जो इंग्लैंड के बेन डकेट के साथ 1,028 रन पर बराबरी पर हैं।

हालांकि, उन्हें जो रूट को पछाड़ने के लिए सिर्फ 371 रनों की जरूरत है, जो मौजूदा समय में 1,398 रनों के साथ इस रेस में सबसे आगे हैं।

यस मैडम के अनोखे कैम्पेन में श्रद्धा और शक्ति कपूर की जोड़ी, लोगों के दिलों पर किया राज!

भारत की प्रमुख होम सैलून सेवा प्रदाता, यस मैडम अपने वायरल कैम्पेन के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही के कैम्पेन में श्रद्धा कपूर नजर आ रही हैं, और दिल्ली के हर गली-मोहल्ले में एक ही डायलॉग दिख रहा है - 'रहर एक्सपर्ट, सैलून एक्सपर्ट नहीं होता'। मेट्रो से शुरू हुई यह चर्चा टिवटर पर ट्रेंड करते हुए एक रैप म्यूजिक स्टूडियो तक पहुंच गई है।

इस कैम्पेन की जबरदस्त सफलता के बाद, यस मैडम ने इसका दूसरा चरण शुरू किया है। इस बार श्रद्धा कपूर के साथ उनके पिता शक्ति कपूर भी शामिल हैं। यह पिता-बेटी की जोड़ी लंबे समय बाद एक साथ परदे पर आई है, और इस खास मौके ने लोगों का ध्यान खींचा है।

इस कैम्पेन वीडियो की शुरुआत शक्ति कपूर के मशहूर अंदाज से होती है, जो हमें उनके पुराने खलनायक किरदारों की याद दिलाती है। इसके बाद वीडियो ऐसा मोड़ लेता है कि आपकी नजरें स्क्रीन से हट नहीं पातीं, और आपको इंतजार रहता है कि आगे क्या होगा। तभी श्रद्धा कपूर स्क्रीन पर आती हैं और माहौल को भावुक बना देती हैं। वह अपने पिता शक्ति कपूर को यस मैडम की होम सैलून सर्विस के बारे में बताती हैं, लेकिन शक्ति कपूर तब तक सोच में डूबे रहते हैं जब तक वे स्पा के लिए बैठ नहीं



जाते। स्पा करते हुए उन्हें अपने पुराने सुनहरे दिनों की याद आ जाती है, जब 'आऊ' उनका फेमस डायलॉग था।

यह कैम्पेन यस मैडम के लिए बहुत सफल रहा क्योंकि इसमें ब्रांड की होम ब्यूटी और वेलनेस सेवाओं की प्रतिबद्धता दिखाई गई है, जिसे आप अपने परिवार के साथ आराम से एंजॉय कर सकते हैं। पिता-बेटी की इस जोड़ी को साथ लाकर, ब्रांड ने यह विश्वास जताया है कि यस मैडम एक भरोसेमंद पार्टनर हो सकता है, जो आपकी ग्रूमिंग और वेलनेस जरूरतों का ध्यान रखता है।

इस साझेदारी पर अपनी राय देते हुए, आकांक्षा विश्वासी, को-फाउंडर, यस मैडम ने कहा, यस मैडम में हम लाखों भारतीयों को उनके घर की आरामदायक और सुकूनभरी माहौल में सलून सेवाएं देते हैं। हमारे कैम्पेन में पिता-बेटी की जोड़ी हमारे ब्रांड की भरोसेमंद, एक्सपर्ट और परिवार के अनुकूल सेवाओं को किफायती दामों पर देने के वादे से पूरी तरह मेल खाती है।

सिंघम की रिलीज डेट पर मंडरा रहे संकट के बादल?

एक एक्टर, डायरेक्टर और उसके पीछे की पूरी टीम बड़ी मेहनत के साथ कोई फिल्म तैयार करती है। ऐसे में अगर सही समय और सही तरीके से फिल्म दर्शकों के सामने ना आए तो इसे काफी नुकसान भी उठाना पड़ता है। पिछले दिनों कई ऐसी फिल्मों के बारे में सुनने को मिला जिन्होंने क्लैश की वजह से अपनी रिलीज डेट आगे पीछे की, पुष्पा 2:द रूल इसी का एक उदाहरण है।



इसके अलावा पिछले दिनों 15 अगस्त पर स्त्री 2 के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा रिलीज हुई लेकिन स्त्री की आंधी में सब उड़ गए। एक अच्छी स्टोरीलाइन क्लैश की वजह से मिस हो गई। शायद अगर ये फिल्में कुछ समय के अंतराल पर रिलीज होतीं तो उन्हें ज्यादा दर्शक मिलते।

वहीं आने वाले समय में दर्शकों को फिल्मी पर्दे पर दो अन्य भिड़ंत देखने को मिलेंगी। इस साल दीवाली पर दो बड़ी फिल्में कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 और अजय देवगन की सिंघम अगेन रिलीज होने वाली है। दोनों ही फैंचाइजी फिल्म हैं और इन्हें देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों तक खींचे चले आएंगे। दोनों बड़ी फिल्में हैं और दोनों के पास बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई करने का मौका है लेकिन कहीं कहीं क्लैश का असर अगली फिल्म पर पड़ सकता है। अब ऐसा लगता है जैसे कार्तिक आर्यन भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के टकराव को टालने की कोशिश कर रहे हैं।

AHUJA ASSOCIATES

Sale | Purchase | Ranting

Collaboration



DIVYA BUILDERS

Divya

9910147454

Mayur

8506941496

Neeraj Gosain

9910258008

7303818886

598, Main Market Ramesh Nagar, New Delhi-110015



Sawariya Fashion

Exclusive Designer Suits, Legenga, Gawan, Co- Ords Set, Blouse, Kurtis, Plaza Pant, Etc.

3/22, Ramesh Nagar, New Delhi-110015
(Near Handa Chemist)

M: 9990618886, 9810618886



2/2, Furniture Block, Kirti Nagar Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi, Delhi, 110015
0114142 4680



Shop No. 26, Furniture Block, Kirti Nagar Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi, Delhi, 110015

KBT

FULFILLING PROMISES

KAMAL

BUILDTECH (P) LTD.

F-29, Central Market, Kirti Nagar, New Delhi-110015

Mob.9990054006, 9310054006